RBI द्वारा एकीकृत ऋण इंटरफेस की शुरूआत

स्रोत: द हिंदू

भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India- RBI) भारत के ऋण क्षेत्र को बदलने के लिये राष्ट्रीय स्तर परयूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (Unified Lending Interface- ULI) शुरू करने की योजना बना रहा है। ULI को RBI ने 2023 में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लॉन्च किया था।

एकीकृत लेंडिंग इंटरफेस (ULI) क्या है?

परिचय: ULI एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिससे ऋण देने की प्रक्रिया आसान होने की उम्मीद है।
इससे किसानों और MSME उधारकर्त्ताओं को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करते हुए, बिना किसी बाधा के ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा।
ULI की मुख्य विशेषताएँ:
सहमति-आधारित डिजिटल पहुँच: ULI सहमति-आधारित प्रणाली के माध्यम से ऋणदाताओं कोभूमि रिकॉर्ड सहित ग्राहकों केवित्तीय
और गैर-वित्तीय दोनों डेटा तक डिजिटल पहुँच प्रदान करेगा।
सामान्य और मानकीकृत API: ULI में मानकीकृत एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (Application Programming Interface-
API) की सुविधा होगी जो ‘प्लग एंड प्ले’ दृष्टिकोण की अनुमति देगा, डेटा एक्सेस को सरल करेगा और तकनीकी जटिलता को कम करेगा। 'प्लग एंड प्ले' अवधारणा से तात्पर्य बिजली, नेटवर्क जैसी आवश्यक अवसंरचना के साथ तैयार सुविधाओं से है, जो उद्योगों
को तुरंत परिचालन शुरू करने की अनुमति देती है।
संभावित लाभ:

बाधा रहित ऋण: ULI का लक्ष्य कागज़ी कार्रवाई को न्यूनतम करके, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण उधारकर्त्ताओं के लिये निर्बाध ऋण देने का अनुभव प्रदान करना है।
मूल्यांकन समय में कमी: विभिन्न स्रोतों से डेटा को समेकित करके, ULI क्रेडिट मूल्यांकन के लिये आवश्यक समय को कम कर देगा। केंद्रीकृत डेटा एक्सेस: यह प्लेटफॉर्म कई स्रोतों से वित्तीय और गैर-वित्तीय डेटा को एकीकृत करेगा, जिससे यह ऋणदाताओं के लिये आसानी से उपलब्ध हो जाएगा।
कृषि और MSME पर ध्यान: ULI से कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) जैसे क्षेत्रों मेंऋण की बड़ी व अधूरी मांग
को पूरा करने की उम्मीद है।
अन्य डिजिटल पहलों से संबंध:
JAM-UPI-ULI: ULI, JAM (जन धन, आधार और मोबाइल), UPI और ULI की 'न्यू ट्रिनिटी' का हिस्सा होगा, जो भारत के डिजिटल अवसंरचना में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।
डिजिटल अवसंरचना: इन प्रणालियों के एकीकरण का उद्देश्यऋण की बड़ी व अधूरी मांग को पूरा करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ाना है।

भारत में ऋण सुविधा प्रदान करने वाले अन्य प्लेटफॉर्म कौन-से हैं?

सार्वजनिक ऋण रजिस्ट्री (PCR): PCR एक केंद्रीय डेटाबेस है, जो ऋणदाताओं को ऋण योग्यता का आकलन करने और ऋण बाज़ार में सूचना विषमता को कम करने में सहायता लिये उधारकर्त्ताओं की व्यापक ऋण जानकारी संग्रहीत करता है।
अकाउंट एग्रीगेटर (AA) फ्रेमवर्क: AA फ्रेमवर्क एक सहमति-आधारित RBI-विनियमित प्लेटफॉर्म है, जो ग्राहकों को अपनी वित्तीय जानकारी को विभिन्न संस्थानों में साझा करने, ऋणदाताओं के लिये पहुँच को सुव्यवस्थित करने एवं उचित ऋण निर्णय लेने में सुविधा प्रदान करने में सक्षम बनाता है।
क्रेडिट सूचना कंपनियाँ (CIC): CIBIL, इक्विफैक्स, एक्सपेरियन आदि जैसी कंपनियाँ व्यक्तियों और व्यवसायों की क्रेडिट सूचनाएँएकत्र करती हैं तथा उसका रखरखाव करती हैं।
ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (TReDS): TReDS एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म है, जो MSME को प्रतिस्पर्धी दरों पर अपने व्यापार प्राप्तियों की नीलामी करने की अनुमति देता है।
Peer-to-Peer (P2P) लेंडिंग प्लेटफॉर्म: फेयरसेंट और लेंडबॉक्स जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म व्यक्तियों को एक-दूसरे से सीधे पैसे उधार देने और उधार लेने की अनुमति देते हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ) प्रिलिम्स
प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा उपवाक्य, उत्तर-हर्ष-कालीन स्रोतों में प्रायः उल्लिखित 'हुंडी' के स्वरूप की परिभाषा बताता है ? (2020) (a) राजा द्वारा अपने अधीनस्थों को दिया गया परामर्श
(b) प्रतिदिन का लेखा-जोखा अंकित करने वाली बही
(c) विनिमय पत्र
(d) सामंत द्वारा अपने अधीनस्थों को दिया गया आदेश
उत्तर: (c)
प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : (2020)
1. कृषिक्षेत्रकोअल्पकालीनसाखपरिदानकरने के संदर्भमें, 'ज़िलाकेंद्रीयसहकारीबैंक (DCCBs)' 'अनुसूचितवाणिज्यिकबैंकों' एवं 'क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों' की तुलना में अधिक ऋण देते हैं।
2. डी.सी.सी.बी. (DCCBs) का एक सबसे प्रमुख कार्य 'प्राथमिक कृषि साख समितियों' को निधि उपलब्ध कराना है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2
उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rbi-to-launch-unified-lending-interface